अध्याय पंचम

शोध सार, निष्कर्ष एवं सुझाव

अध्याय–5

शोध सार, निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 प्रस्तावना

शिक्षा वह साधन हैं, जिसके द्वारा कोई समाज संस्कृति को जीवित रखता है एवं प्रसार करता है। शिक्षा सामाजिक समस्याओं को समझने एवं सामाजिक तनावों और परिवर्तनों को झेलने के लिए अपरिहार्य है। शिक्षा व्यक्ति की क्षमताओं को साकार रूप प्रदान करते हुए समाज के सामने उसकी स्वाभाविक योग्यताओं, रूचियों, सामंजस्यशीलता के स्तर को प्रकट करती है। गत वर्षों में शिक्षा के विकास हेतु अथक प्रयासों के बावजूद भी शिक्षा के ढांचे में अधिक परिवर्तन ना हो सका। आज भी बालकों की अपेक्षा बालिकाओं का शैक्षिक स्तर न्यूनतम है। साक्षरता के न्यूनतम स्तर को उन्नत करने हेतु शिक्षा के सार्वभौमिकरण का लक्ष्य रखा गया। जिसमें बालिकाओं के उत्थान हेतु "सर्व शिक्षा अभियान" अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाहित कर रहा हैं। बालिकाओं के शैक्षिक स्तर को उन्नत करने हेतु कई योजनाएँ/कार्यक्रम सर्व शिक्षा अभियान के निमित्त चलाए जा रहे है, जिसमें कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय योजना महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाहित कर रही हैं। बालिका शिक्षा के सार्वभौमिकरण के संदर्भ में सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत संचालित प्रमुख कार्यक्रमों का प्रभाव बालिकाओं का विद्यालय में नामांकन, ठहराव, शिक्षा में गुणवत्ता जैसे प्रमुख लक्ष्यों की पूर्ति में सहायक हैं।

5.2 शोध कथन

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं तथा अन्य बालिकाओं के सामंजस्य तथा शैक्षणिक उपलब्धि का अध्ययन

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

5.3 संक्षेपिका

संपूर्ण शोध प्रबंध को पांच अध्यायों में विभक्त किया गया है। प्रथम अध्याय में शोध परिचय, द्वितीय अध्याय में संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन, तृतीय अध्याय में प्रयुक्त प्रविधि की रूपरेखा तथा चतुर्थ अध्याय में तथ्यों का सारणीयन तथा विश्लेषण कर पंचम अध्याय में शोध सार, निष्कर्ष एवं सुझाव तथा अंत में संदर्भ ग्रंथ एवं परिशिष्ट में उपयोग किये गये उपकरण को इंगित किया गया है।

5.3.1 अध्ययन के उद्देश्य

- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं तथा अन्य बालिकाओं की शैक्षणिक उपलब्धि की जानकारी प्राप्त करना।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं तथा अन्य बालिकाओं की शैक्षिक प्रगति की जानकारी प्राप्त करना।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं तथा अन्य बालिकाओं के सामंजस्य का ज्ञान प्राप्त करना।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं तथा अन्य बालिकाओं के सामंजस्य तथा शैक्षणिक उपलब्धि के मध्य संबंध को जानना।

5.3.2 अध्ययन की परिकल्पनाएं

1. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं तथा अन्य बालिकाओं की शैक्षणिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है।
2. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं तथा अन्य बालिकाओं के विभिन्न विषयों में प्राप्त उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है।
3. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं तथा अन्य

बालिकाओं की कक्षावार शैक्षिक प्रगति में सार्थक अंतर नहीं है।

4. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं तथा अन्य बालिकाओं के सामंजस्य में सार्थक अंतर नहीं है।

5. कस्तूरबा गांधी विद्यालय में निवासरत् तथा अन्य बालिकाओं के सामंजस्य के कारकों (घर, स्वास्थ्य, सामाजिक, भावनात्मक, शैक्षिक) में सार्थक अंतर नहीं है।

6. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं तथा अन्य बालिकाओं के सामंजस्य तथा शैक्षणिक उपलब्धि के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

7. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं तथा अन्य बालिकाओं के सामंजस्य के कारकों तथा शैक्षणिक उपलब्धि के मध्य सार्थक संबंध नहीं हैं।

5.3.3 अध्ययन का सीमाकन

- लघु शोध कार्य हेतु मध्यप्रदेश राज्य के विदिशा तथा होशंगाबाद जिले के अन्तर्गत आने वाले विकासखण्डों नटेरन, गंजबासौदा, सोहागपुर, बावई को चयनित किया गया है।
- प्रस्तुत लघु शोध कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय तथा में निवासरत् बालिकाओं तथा अन्य बालिकाओं तक ही सीमित है।
- लघुशोध कार्य बालिकाओं के सामंजस्य तथा शैक्षणिक उपलब्धि के आंकलन तक सीमित है।
- प्रस्तुत लघुशोध में कक्षा आठवीं की बालिकाओं को सम्मिलित किया गया है।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की बालिकाओं के साथ अध्ययनरत

विद्यार्थियों में से शोध कार्य हेतु बालिकाओं को ही चयनित किया गया है।

- लघुशोध के अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्ग की बालिकाओं को सम्मिलित किया गया है।
- शोध कार्य हेतु वर्ष 2004–05 से संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को चयनित किया गया है।

5.3.4 शोध के चर

- ❖ स्वतंत्र चर – सामंजस्य
- ❖ परतंत्र चर – शैक्षणिक उपलब्धि

5.3.5 शोध उपकरण

प्रस्तुत लघुशोध कार्य हेतु शैक्षणिक उपलब्धि तथा सामंजस्य मापनी उपकरणों को प्रयुक्त किया गया है

❖ **शैक्षणिक उपलब्धि**

लघु शोध के अंतर्गत शैक्षणिक उपलब्धि के आंकलन हेतु बालिकाओं के कक्षा आठवीं के समस्त विषयों के अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणामों को लिया गया हैं।

❖ **शैक्षिक प्रगति**

लघु शोध में शैक्षिक प्रगति हेतु बालिकाओं के कक्षा छठवीं, सातवीं के वार्षिक परीक्षा परिणामों तथा कक्षा आठवीं के अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणामों को लिया गया है।

❖ **सामंजस्य मापनी**

उच्च प्राथमिक स्तर की बालिकाओं के सामंजस्य स्तर के आंकलन हेतु ए.के. सिन्हा तथा ए. सेन गुप्ता द्वारा निर्मित सामंजस्य मापनी के आधार पर सामंजस्य कारकों (घर, स्वास्थ्य, सामाजिक, भावनात्मक, शैक्षिक) से संबंधित

कथनों का निर्माण किया गया। प्रारंभ में मापनी में सामंजस्य से संबंधित 50 कथनों को सम्मिलित किया गया था, परन्तु विशेषज्ञ की सलाहनुसार 40 कथनों को मापनी में समाहित किया गया है। सामंजस्य मापनी में सामंजस्य के प्रत्येक कारक से संबंधित पांच कथनों को सम्मिलित किया गया है अर्थात् 40 कथन सामंजस्य मापनी में निहित हैं। प्रत्येक कथन के तीन विकल्प ('हां', 'कभी–कभी', 'नहीं') दिए गए है। कथनानुसार सही उत्तर हेतु 2 अंक, मध्यस्थ हेतु 1 अंक तथा गलत उत्तर हेतु 0 अंक का निर्धारण किया गया हैं।

5.3.4 न्यादर्श चयन प्रक्रिया

प्रस्तुत लघुशोध में न्यादर्श चयन हेतु यादृच्छिक विधि का प्रयोग कर मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों एवं विकासखण्डों का चयन किया गया। शोध कार्य हेतु विदिशा जिले के विकासखण्डों नटेरन तथा गंजबासौदा एवं होशंगाबाद जिले के विकासखण्डों बावई तथा सोहागपुर का चयन किया गया। लघुशोध कार्य हेतु चयनित किए गए शालाओं एवं बालिकाओं की संख्या तालिका क्र. 5.1 में प्रस्तुत है।

तालिका क्रमांक–5.1 : बालिकाओं की संख्या

शैक्षिक संस्था का नाम	बालिकाओं की संख्या		योग
	कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाएं	अन्य बालिकाएं	
शा.क.मा.शा., मानागांव	15	15	30
शा.क.मा.शा.क़ामती रंगपुर	15	15	30
शा.क.मा.शा., सूखा आमखेड़ा	15	15	30
शा.क.मा.शा., उदयपुर	15	15	30
योग	60	60	120

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

5.3.7 प्रदत्तों का संकलन

लघुशोध के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए प्रदत्तों का संकलन किया गया। प्रदत्त संकलन हेतु मध्यप्रदेश के दो जिलो विदिशा तथा होशंगाबाद का चयन किया गया। सर्वप्रथम विदिशा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों (जहां कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय संचालित है) के विद्यालयों को चयनित कर प्रदत्त संकलन का कार्य संपादित किया।

उपयुर्क्त वर्णित समस्त प्रक्रिया को होशंगाबाद जिले से प्रदत्त संकलन हेतु प्रस्तुत किया।

5.3.8 प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ

शोध कथन से संबंधित संकलित प्रदत्तों के सारणीयन करने के उपरांत उनसे उचित परिणाम प्राप्त करने के लिए सांख्किीय प्रविधियों का प्रयोग किया जाता है। प्रस्तुत लघुशोध में उद्देश्यों के आधार पर मध्यमान, प्रमाषविचलन, टी–मान परीक्षण तथा कार्ल-पियर्सन सहसंबंध प्रविधियों को प्रयुक्त किया गया।

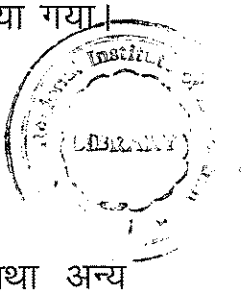

5.4 निष्कर्ष

शोध उपरांत प्रमुख प्राप्त निष्कर्ष निम्नानुसार है :–

- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं तथा अन्य बालिकाओं की शैक्षणिक उपलब्धि में सार्थक अंतर प्राप्त हुआ।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं तथा अन्य बालिकाओं के विभिन्न विषयों में प्राप्त उपलब्धि में सार्थक अंतर प्राप्त हुआ।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं तथा अन्य बालिकाओं के कक्षावार शैक्षिक प्रगति में सार्थक अंतर प्राप्त हुआ।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं तथा अन्य बालिकाओं के सामंजस्य में सार्थक अंतर नहीं प्राप्त हुआ।

- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं तथा अन्य बालिकाओं के सामंजस्य कारकों (घर, स्वास्थ्य, सामाजिक, भावनात्मक, शैक्षिक) में सार्थक अंतर नहीं प्राप्त हुआ।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं तथा अन्य बालिकाओं के सामंजस्य तथा शैक्षणिक उपलब्धि के मध्य सार्थक संबंध प्राप्त हुआ।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं तथा अन्य बालिकाओं के सामंजस्य के कारकों तथा शैक्षणिक उपलब्धि के मध्य सार्थक संबंध प्राप्त हुआ।

5.5 शैक्षिक महत्व :

बालिकाओं का सामंजस्य के कारकों (घर, सामाजिक, शैक्षिक) तथा शैक्षणिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक उच्च सहसंबंध प्राप्त हुआ । अतः बालिकाओं को घर से प्रोत्साहन, उन्नयन हेतु मार्गदर्शन अभिभावकों की जागरूकता साथ ही समाज के पारंपरिक तथा समसामायिक बंधनों से मुक्त कर विकास हेतु प्रोत्सोहित तत्व एवं स्वविकास के अवसर प्रदान करने से वह केवल शिक्षा के क्षेत्र में ही नही वरन् सम्पूर्ण देश के विकास में सक्रिय भूमिका निर्वाह कर सकती हैं ।

जिस प्रकार बालकों को समस्त शिक्षा सुविधाए, विकास के उचित अवसर, समयानुकूल प्रोत्साहन प्रदान किया जाता हैं, ठीक उसी प्रकार बालिकाओं को समस्त शैक्षिक सुविधाए प्रदान कर उनके शैक्षणिक ही नही वरन् सर्वागीण विकास को उन्नति के पथ पर अग्रसरित किया जा सकता हैं।

अंति पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों की अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक वर्ग, गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों की

बालिकाओं को जो कई स्थानीय कारणों से विद्यालयों की पहुँच से वंचित रह जाती हैं को आवासीय विद्यालयों में नामांकित कर, शैक्षिक सुविधाएँ प्रदान कर मात्र उनका ही नहीं वरन् उनके परिवारों के अतिनिम्न स्तर को उच्च बनाया जा सकता हैं।

इसके अतिरिक्त इन आवासीय विद्यालयों में बालिकाओं को सामाजिक परिवेश से सामंजस्य स्थापित कर विकास के अवसर प्रदान किये जाते हैं, चूंकि बालिकाएँ समूह में रहकर भावनात्मक, सामाजिक सामन्जस्य में दक्षता प्राप्त ही नही करती है बल्कि इन व्यवहारिक गुणों को अपने व्यक्तित्व में चरितार्थ कर स्वयं का ही नही वरन् संपूर्ण समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निवाह करती हैं।

इन आवासीय विद्यालयों में बालिकाओं को केवल शैक्षिक मार्गदर्शन ही नही वरन् व्यवसायिक क्षेत्र में कुशाग्रता की शिक्षा भी प्रदान की जाती हैं, जिससे वह आत्मनिर्भर होकर दूसरों पर आश्रित न रह सके और अपना विकास स्वयं कर सकें।

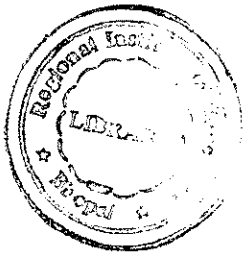

5.6 सुझाव

5.6.1 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के लिए सुझाव

- विद्यालय में छात्राओं के लिए सीटों की संख्या बढ़ानी चाहिए, जिससे अधिक से अधिक छात्रायें इस योजना से लाभान्वित हो सकें।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं को समय–समय पर शैक्षिक भ्रमण पर ले जाने की व्यवस्था होनी चहिए, जिससे उनका मनोरंजन के साथ–साथ प्रकृति से प्रत्यक्ष सानिध्य हो सकें तथा ज्ञानार्जन हो सकें।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं के लिए छात्रावास में

मनोरंजनात्मक क्रियाकलाप हेतु एक संगीत शिक्षिका की व्यवस्था होना चाहिये।

5.6.2 शिक्षकों के लिए सुझाव

- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में संरक्षिका/शिक्षिका एवं अन्य शिक्षिकाओं का बालिकाओं के प्रति व्यवहार, स्नेहपूर्ण एवं विश्वास से परिपूर्ण होना चाहिए।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं की व्यक्तिगत समस्याओं को समझकर उनका सहयोगात्मक रूप से, मित्रवत तरीके से हल ढूढ़ने में शिक्षिकाओं द्वारा सहायता की जानी चाहिए।
- शिक्षक-शिक्षिकाओं को शाला में यथा समय उपस्थित होने के लिए दृढ़ संकल्पित रहना चाहिए।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

5.6.3 जिला शिक्षा केन्द्र हेतु सुझाव

- जिला शिक्षा केन्द्र को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं की शैक्षणिक उपलब्धि के विकास के मूल्यांकन हेतु मासिक इकाई मूल्यांकन का आयोजन करवाना चाहिए।
- जिला शिक्षा केन्द्र को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं के सर्वांगीण विकास हेतु जिला/संभाग/राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाना चाहिये।

5.6.4 शासन हेतु सुझाव

- शासकीय कन्या माध्यमिक शालाओं में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की बालिकाओं की सीटों में वृद्धि की जानी चाहिए।
- शासन को इस प्रकार के आवासीय विद्यालयों में योग्य शिक्षिकाओं की

नियुक्ति करनी चाहिए जिससे वे बालिकाओं को बिना भेदभाव के शिक्षा प्रदान कर सकें।

- शासन को समय–समय पर संस्थाओं की शैक्षणिक उपलब्धि की गुणवत्ता की जांच हेतु सतत निरीक्षण पद्धति लागू करना चाहिये।
- शासन द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं को उच्च अध्ययन एवं खेलकूद में बेहतर प्रदर्शन हेतु छात्रवृत्ति दी जाना चाहिए।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के पुस्तकालय में पुस्तकों का आवंटन अधिक संख्या में होना चाहिए।
- बालिकाओं की माध्यमिक स्तर की शिक्षा हेतु प्रयास करना चाहिए।
- शासन को पिछड़े क्षेत्रों में अधिक संख्या में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की स्थापना को प्रोत्साहित करना चाहिए।

5.6.5 भावी शोधार्थियों हेतु सुझाव

- आवासीय, गैर आवासीय, ब्रिजकोर्स केन्द्र में रहने वाले बालक बालिकाओं की शैक्षणिक उपलब्धि तथा बुद्धि लब्धि का अध्ययन।
- सामान्य विद्यालयों और मानव विकास केन्द्र में अध्ययन करने वाले बालक बालिकाओं की सृजनात्मकता का तुलनात्मक अध्ययन।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय योजना में शासन द्वारा व्यय मूल्य का समीक्षात्मक अध्ययन।
- विभिन्न कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के क्रियाकलापों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।
- क्स्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का व्यैक्तिक अध्ययन।